ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की शिष्टाचार भेंट

वर्धा, 4 सितंबर 2021: शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आज 4 सितम्बर 2021 को भारत के शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान से नई दिल्ली में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की शिष्टाचार भेंट हुई। इस भेंट के दौरान कुलपति ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को विश्वविद्यालय की विविध अकादमिक गतिविधियों से अवगत कराया. उन्होंने बताया कि सत्र 2021-22 से हिंदी विश्वविद्यालय ने

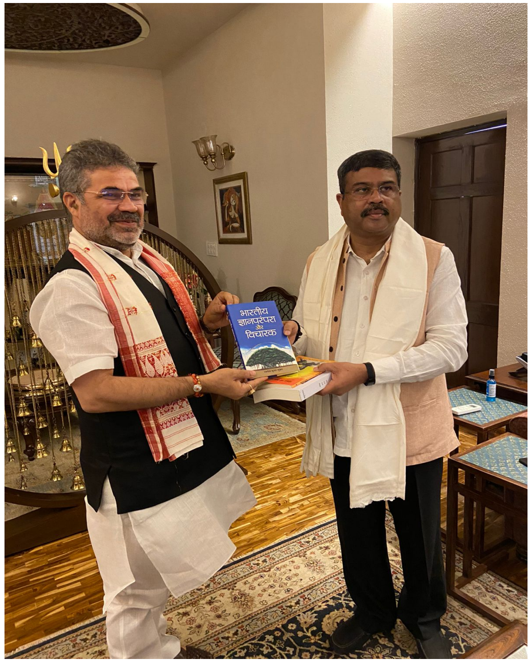

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 को लागू कर दिया है. हिंदी विश्वविद्यालय रचनात्मकता एवं नवाचार पर बल देते हुए नियमित एवं समयबद्ध तरीके से पाठ्यक्रम को अद्यतन करने, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, समिश्रित पद्धति से शिक्षण, भारतीय भाषाओं के उन्नयन तथा आजादी के अमृत महोत्सव को केन्द्रित कर गांधीजी के मूल्यानुकूल शैक्षिक वातावरण की निर्मिति के लिए यत्नशील है.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषाओं में विधिक शिक्षा इसी सत्र से प्रारम्भ करने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने प्रसन्नता व्यक्त की। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि यदि समानता का अवसर उपलब्ध कराना है तो संविधान की अनुसूची में स्वीकृत सभी भारतीय भाषाओं में विधि की प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित करनी होंगी। विधि की प्रक्रिया में भारतीय भाषाओं को स्थान मिलना चाहिए, इससे विधि की पढ़ाई की इच्छा रखने वाले युवाओं को सुअवसर प्राप्त होगा। यह अवसर भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले महान नेताओं के 'स्वराज' के स्वप्न को साकार करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा। यह अवसर उपलब्ध कराना संविधानानुकूल है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सृजनात्मक भारतीय ज्ञानपरंपरा से वैश्विक महाशक्ति बनने के लिए विश्वविद्यालयों की भूमिका को लेकर मार्गदर्शन किया।

केंद्रीय शिक्षण मंत्री धर्मेंद्र प्रधान यांच्याशी हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांची शिष्टाचार भेट

वर्धा, 4 सप्टेंबर 2021: शिक्षक दिनाच्या पूर्व संध्येला 4 सप्टेंबर 2021 रोजी भारताचे शिक्षण मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान यांच्याशी नवी दिल्ली येथे महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांची शिष्टाचार भेट झाली. या भेटित कुलगुरु प्रो. शुक्ल यांनी केंद्रीय शिक्षण मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान यांना विश्वविद्यालयातील विविध अकादमिक उपक्रमांची माहिती दिली. ते म्हणाले की सत्र 2021-22 पासून विश्वविद्यालयाने राष्ट्रीय शिक्षण धोरण : 2020 लागू केले आहे. हिंदी विश्वविद्यालय रचनात्मकता व नवाचारावर भर देत असून नियमित व कालबद्ध रितीने अभ्यासक्रम अद्ययावत करणे, अकादमिक बॅंक ऑफ क्रेडिट, संमिश्र पद्धतीने शिक्षण, भारतीय भाषांचे उन्नयन तथा स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सवावर केन्द्रित गांधीजींच्या मूल्यानुकूल शैक्षणिक वातावरणाची निर्मिती करण्यासाठी प्रयत्नशील आहे.

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने भारतीय भाषांमध्ये कायद्याचे शिक्षण याच सत्रापासून सुरू केले, यावर केंद्रीय शिक्षण मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान यांनी प्रसन्नता व्यक्त केली. कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल म्हणाले की समानतेची संधी देण्यासाठी संविधानाच्या अनुसूचीत स्वीकृत सर्व भारतीय भाषांमध्ये कायद्याची प्रवेश परीक्षा आयोजित केली पाहिजे. विधी प्रक्रियेत भारतीय भाषांना स्थान मिळाले पाहिजे, यामुळे कायद्याचे शिक्षण घेणा-या युवकांना संधी मिळेल. केंद्रीय शिक्षण मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान यांनी सर्जनात्मक भारतीय ज्ञानपरंपरेतून देशाला वैश्विक महाशक्ती बनण्याकरिता विश्वविद्यालयांची भूमिका याविषयी मार्गदर्शन केले.